

विश्वकर्माविद्या प्रकाशः (भाषाटीकया समेतः) :- रविदत्त शास्त्रिराज
वैद्य (संवत् 2011 शके 1876) (4.7" x 6.2") P. 2460 गंगाविष्णु
श्री कृष्ण दास, मालिक लक्ष्मी वेंकटेश्वर स्टीम्-प्रेस, कल्याण
बम्बई

మహాత్మ మార్తాంధమః:- శ్రీమదనంత యాజ్ఞీ ప్రభు నారా యాజ్ఞాశ్చర్య రహిత
అంధ్ర బాల్మీకీయః:- లక్ష్మీ ప్రసంహకాశ్రయ (~~అంధ్ర~~ మేధామయశ్చర్య రహిత
19329, Bound 8.4"x5.4" ఫల. తొడుగు Pp. 2 + 8 + 402); అర్కానాథ మేన్
బచ్చావేద, మరల పాఠము.

(6) ಕಲಾಪುಷ್ಪ (ಸುಷ್ಕಾಭ್ಯಾಸಾಧ್ಯ ಲಾಲ್ವಾಕ್ಯಮು) (Boned, 1939, 8.1" x 5.4"
Pp-284+4 ಪು: 285) ವಾಲ್ಮೀಕಿ ಕಾವ್ಯಾನುಸಾರಿ ಮುಕುಂದ ಮೂರ್ತಿ, 292
ಬೆಂಗಳೂರು, ಮದ್ರಾಸು.

(8) प्रसूत ररणी आपला दुलोक (इयता (वी) लेखक: अनुसवी शिवाक
(पृ 2438, 7.1/2" x 4.9"; किंमत 124 नये पैसे) प्रकाशक: - इरुणी-
पाठक; पाठक बुक डिपो, नासिक सिटी.

(10) కాలావృతము :- కృంధకర్మ మల్లాదిలక్ష్యే నరసింహ శాస్త్రి గారు. (1946, మొ.కా.1-0-55, 8-2, pp+2+6+136). పుకారకము :- ఎస్. అప్పల సాగము అండ్ సన్స్, పల్లెపల్లె అండ్ యు.మృ.నెల్లూరు. రాజమండ్రి.

(12) మామిడి సాక్షి మంత్రి పాఠము (వీరిని అనుసరించు) : సం॥ చార్లెస్ లింగ్
ప్రసిద్ధ పాఠము : (వీరిని అనుసరించు) 1929; పేజీలు 20-0; 8.3" x 5.5";
PP 2+4+308) శ్రీ లక్ష్మీనాథ మహదేవీ పాఠము : పరిశీలించుట కాదు.

(३) ग्रंथिणी जातक : लेखक : ज्योतिषाचार्य प्रकाशाय नारायण राजे ;
(Bound : किंमत ५॥ रु. प्रथमवृत्ति १९५१; ७.५" x ५.१"; P 2+2+५+3१६)
प्रकाशक : पी. डी. राजे ; ६५४, शुक्रवार पेठ, पुणे-२.

(14) ज्योतिष अखण्ड भाग्योद्भय दर्पण लेखक:- भगवानदास मीठन
(1962, मूल्य रु. 7.3" x 4.9"; Pp 208 + 8); प्रकाशक:- भगवानदास मीठन
मृगुज्योतिष, पुस्तकालय, नया मजार मथुरा (यू.पी.)

[illegible]

(16) ಅಕ್ಕಿ ಪಾಡುಕ :- ಕುಣ್ಣು ವೆಂಕಟ ಸುಬ್ಬಯ್ಯ (ವೆಂಕಟೇಶ್ವರಾಯ, 1955. ಮೊರೆ 8-0-8.2) "x 5.5", Piv + 112) ಇದನಂತೂ ಎಂಬುದು, ಬಂದರು ಲಾಠಿಯ; ಪ್ರತಿ ಭಾಗ:-
Sri Lakshminarasimha Press; Prop. Challa Subbaraya Sastry; No 12/25:
Bathurpet; Maruthipatam;

(17) అక్షరాలను బుద్ధిగ ప్రార్థన ప్రయోగ బాధ్యుడు :- కుంభ; బాహు లంగుళ
మీసంహతాత్మి; (త్రిణాలముద్ర సము: 1950; విలము 2000, 8.4"x5.3";
19.8+200) కి, అక్షర నాడ ముద్రా దీక్షకాల, ము బలి పట్టకము.

(12) ನಿತ್ಯಾಂಶ ಸೂತ್ರ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಉಪಗುಣಕ ಸಂಖ್ಯೆಗಳು (ವರದಿ ಪ್ರತಿಬಿಂಬಿಸುತ್ತದೆ
ಸೂತ್ರಗಳು) ಬಲಾಘೋಷ ಸ್ಥಾನಗಳಲ್ಲಿ (ಅಕ್ಷರಗಳನ್ನು ಮರುಹೇಳುವುದು); 1984; ಮತ್ತು
ರೂ. 1-8-0; 8.31 " 75.21" PP(12+138+84) ಶ್ರೀ ಅನ್ಯಾ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಹೇಳಿದ;
ಮುಚ್ಚಿಟ್ಟಿದೆ.

(19) श्री वीरसिंहावलोकः (ज्योतिषशास्त्र, कर्मावपाक वेदशास्त्रोंक सकलामयानां समिहामं चिकित्सितम्) (संवत् 1981, शके 1846; 5:3 "8-2" Pp 164-328)

X गंगाविष्णु श्रीकृष्णदेव, लक्ष्मीविकटेश्वर, छापरमाना, कलयाणमंथरी

(20) జూలూ మాతాండు ము (మొదటి భాగాలు) గ్రంథకర్త: అకెళ్ళ వెంకటేశ్వరస్వామి.
(21) దశమ కౌర్మ, 1942; వెలకూ 2-00 రూ 7-1/2 " 40-8"; PP 2+4+2+200) ద్వికాశ
మల్లు, కౌండుమల్లి వీర వేంకటప్ప అండ్ సన్స్, శ్రీ సత్యనారాయణ బుక్ డిపో,
రాజమండ్రి.

(21) బూరక మార్కెట్ కమిటీ (రెండవ భాగము) గ్రంథము: ఆర్థిక పరిశోధన పాఠశాల
(3వ మార్పు: 1937; వెల రూ. 2-0-0; $4\frac{3}{4} \times 7\frac{1}{2}$ " 99 2+2+308+4) కుకార్ ములు :
కొండ పల్లి జాగపాక బిళ్ళా అండ్ సన్స్, శ్రీ సర్వనారాయణముట్ట దొర, రాజమండ్రి.

- (22) బొమ్మలపై రూప స్థాపన (మధ్యమ భాగము) గ్రంథము: సూరవరప్ర, వెంకట సుబ్బారావుగారు; (మొదటి కూర్పు; 1923; వల రూ. 2-0-0; 7.1" x 4.8" PP 2+11+220) పబ్లిషర్: కొండవల్లి వీరవేంకయ్య; బుక్ డిపో, రాజమండ్రి.
- (23) జాతకపాఠ జాతకము: గ్రంథ సంధాత: నాథు సూరి గంగాధరయ్య (1939, వల రూ. 0-8-0; 8.5" x 5.5"; PP 2+11+116) ప్రచురకులు: కొండవల్లి వీరవేంకయ్య; శ్రీ సత్యనారాయణ బుక్ డిపో, రాజమండ్రి.
- (24) మత్తువల్లుములు :- బల్లాలయ్యే ప్రసంగం (మొదటి కూర్పు 1913; వల రూ. 0-4-0; 8.5" x 5.3"; PP 40) ముద్రాణం శ్రీ వీరవీరయ్య వల్లయ్య; శ్రీ కృష్ణవర మేధూని మద్రాసు శాసనాల, బాపట్ల.
- (25) లయ్యే సహస్ర సామాన్యము :- లయ్యే ప్రసంగం (ద్వితీయము మద్రాసు, 1952; వల రూ. 0-2-0; 8.1" x 5.4"; PP 14) శ్రీ అర్జునాద మద్రాసు శాసనాల, మచిలీపట్నం.
- (26) దశాభుక్తి ఫలచంద్రిక (శ్రీ కృష్ణ పాఠశాల వీరవీరయ్య) (1937; 3వ కూర్పు: వల రూ. 1-0-0; 8.4" x 5.4" PP 141+3) పబ్లిషర్: కొండవల్లి వీరవేంకయ్య; శ్రీ సత్యనారాయణ బుక్ డిపో, రాజమండ్రి.
- (27) సంహార గుణ లక్షణ వివేక :- పురాణాం పబ్లిషర్లు (1946; వల రూ. 0-12-0 8.1" x 5.2"; PP 4+108) ఎస్. ఎ. గోపాల్ అండ్ కంపెనీ, నం. 63 స్టేట్స్ మెన్ మార్కెట్ టూక్ స్ట్రీట్, మద్రాసు.
- (28) ముహూర్త దర్శనము :- అంధ్ర లాల్మోర్తలము దేశ - మల్లాదిలయ్యే ప్రసంగం (1957 వల రూ. 1-0-0; 8.3" x 5.4" PP 4+104+8) ప్రచురకులు: పి. వి. కృష్ణ బుక్ డిపో; 19/99, అమర్త్య కలెక్టర్ వాణి; మాలియాస్ట్రో రోడ్డు, పోస్టు మద్రాసు + :
- (29) అర్చనామన (బుక్ ప్రేమ) సన్మాన్య నామ - బల్లాలయ్యే ప్రసంగం (ద్వితీయము మద్రాసు, 1950; వల రూ. 0-4-0; 8.5" x 5.4" PP 18) శ్రీ అర్జునాద మద్రాసు శాసనాల, మచిలీపట్నం.
- (30) శంకాభట్టేయం :- పంజర శంకనూర్త వీరవీరయ్య; నం. 11 బల్లాలయ్యే ప్రసంగం (మధ్యమము 1926; వల రూ. 0-12-0; 8.3" x 5.4" PP 4+96) శ్రీ అర్జునాద మద్రాసు శాసనాల, మచిలీపట్నం.
- (31) పంజాన రత్నాకరం :- బల్లాలయ్యే ప్రసంగం (ద్వితీయము మద్రాసు, 1949; వల రూ. 0-10-0; 8.4" x 5.4"; PP 2+4+92) శ్రీ అర్జునాద మద్రాసు శాసనాల, మచిలీపట్నం.
- (32) బొమ్మలపై రూప స్థాపన (కొండవల్లి కూర్పు; 1926; వల: పోస్టు 8.1" x 5.3" PP 3+4+228+4) పీఠుసవేంకటేశ్వరస్వామివారి, నోల్ మోస్ట్రోటో "హిందూ రత్నాకర" మద్రాసు శాసనాల, 240, వెస్ట్రే నామని వాణి, బొమ్మల (మద్రాసు)
- (33) శ్రీ కృష్ణ మిక్తిమల పోత ముహూర్త కంకా భరణము: అంధ్ర లాల్మోర్తలము: రామోదయము కరమయ్య (కొండవల్లి కూర్పు 1911; వల రూ. 0-6-0; Bound 8.2" x 5.4" PP 4+60) ముద్రాణం: ముకటనా పి. అశ్వనీంగారి వాణి; కలారత్న కరమయ్య శాసనాల, బొమ్మల.

35) नवग्रह संहिता (नवग्रह संहिता) :- टी॥ टी॥ चण्डा वल्लभ
 प्रसिद्धा (मध्यममध्यम) 1960; सेल नं० 1-0-0; 8.5" x 5.4"; PP 2+2+100
 मध्यम (मध्यममध्यम) चण्डा वल्लभ, नवग्रह, त्रिलोक्य संहिता मध्यम) और मध्यम
 मध्यम मध्यम.

36) पञ्चांगहीनिका :- पं. विद्वत्तर नवाचस्पति त्रिपाठी रचित (1953; 5.4" x 4.2";
 PP 68) मुद्रक और प्रकाशक :- गङ्गाविष्णु श्रीकृष्णदास, मालिक "लक्ष्मी वेंकटेश्वर"
 सीमू प्रेस, कल्याण, मुम्बई.

37) वन्द्या तन्त्र :- लला शालग्राम जी के अनुसार वेद शंकर लाल हरिशंकर
 कर्तृक संकलित और अनुवादित : (संवत् 2022 शके 1960; 6.2" x 4.8" PP 64)
 मुद्रक और प्रकाशक :- गङ्गाविष्णु श्रीकृष्णदास, मालिक "लक्ष्मी वेंकटेश्वर"
 सीमू प्रेस, कल्याण, मुम्बई.

38) अष्टांगसंज्ञासूत्र (मध्यममध्यम) 1958; सेल नं० 0-4-0; 6.2" x 3.9";
 PP 26) चण्डा वल्लभ, त्रिलोक्य संहिता मध्यम) और मध्यम, 13/25, मध्यम
 मध्यम मध्यम.

39) अष्टांगसंज्ञासूत्र (वेरी पुरे निवासि बसावि राम शास्त्रिणा संकलितः)
 (चतुर्थोत्पत्ति 1925; 6.2" x 4.6"; PP 7+2) हरि प्रसाद भागीरथनी, प्राचीन
 पुस्तकालय Kanwar No 331, काठकादेवी रोड, रामवाडी, मुम्बई.

40) अष्टांगसंज्ञासूत्र (मध्यममध्यम) :- टी॥ टी॥ चण्डा वल्लभ (मध्यममध्यम)
 (मध्यममध्यम, 1936; सेल नं० 2-0-0; 7.2" x 4.9"; PP 338) चण्डा वल्लभ, 500 मध्यम
 मध्यम मध्यम, त्रिलोक्य संहिता मध्यम) और मध्यम, मध्यम मध्यम.

41) अष्टांगसंज्ञासूत्र (मध्यममध्यम) :- टी॥ टी॥ चण्डा वल्लभ (मध्यममध्यम)
 (मध्यममध्यम, 1960; सेल नं० 3-8-0; 8.1 1/2" x 5.3 1/2"; PP 8+188) :- मध्यम मध्यम :- चण्डा वल्लभ, मध्यम मध्यम,
 त्रिलोक्य संहिता मध्यम) और मध्यम, 13/25, मध्यम मध्यम, मध्यम मध्यम, मध्यम मध्यम.

42) अष्टांगसंज्ञासूत्र (मध्यममध्यम) :- टी॥ टी॥ चण्डा वल्लभ (मध्यममध्यम)
 (मध्यममध्यम, 1956; सेल नं० 0-6-0; 8 1/2" x 5.2"; PP 2+2+36) मध्यम मध्यम, चण्डा वल्लभ, मध्यम मध्यम,
 मध्यम मध्यम, मध्यम मध्यम, मध्यम मध्यम, मध्यम मध्यम.

43) अष्टांगसंज्ञासूत्र (मध्यममध्यम) :- टी॥ टी॥ चण्डा वल्लभ (मध्यममध्यम)
 (मध्यममध्यम, 1935; सेल नं० 0-3-0; 8.1" x 5.1 1/2"; PP 2+2+32)
 मध्यम मध्यम, मध्यम मध्यम, मध्यम मध्यम.

44) अष्टांगसंज्ञासूत्र (मध्यममध्यम) :- टी॥ टी॥ चण्डा वल्लभ (मध्यममध्यम)
 (मध्यममध्यम, 1939; सेल नं० 0-8-0; 8.4" x 5.4"; PP 2+2+100) त्रिलोक्य संहिता मध्यम) और मध्यम, मध्यम
 मध्यम मध्यम.

45) अष्टांगसंज्ञासूत्र (मध्यममध्यम) :- टी॥ टी॥ चण्डा वल्लभ (मध्यममध्यम)
 (मध्यममध्यम, 1949; सेल नं० 0-8-0; 8.4" x 5.4"; PP 2+2+100) त्रिलोक्य संहिता मध्यम) और मध्यम, मध्यम
 मध्यम मध्यम.

46) अष्टांगसंज्ञासूत्र (मध्यममध्यम) :- टी॥ टी॥ चण्डा वल्लभ (मध्यममध्यम)
 (मध्यममध्यम, 1949; सेल नं० 0-8-0; 8.4" x 5.4"; PP 2+2+100) त्रिलोक्य संहिता मध्यम) और मध्यम, मध्यम
 मध्यम मध्यम.

- (47) द्वैत विचार माला क्र-११- योग विचार भाग १ ला :- लेखक : ह.ने. काठवे :
 (१९५७; द्वितियावृत्ति; किं १ रु ३ आणे; ७.१५" x ४.८"; PP 30+2) प्रकाशक : डि.म. बुमाके
 नागपुर प्रकाशन सितोवडी, नागपुर-१
- (48) नष्टजातक (सर्ग) भाषांतरकार : जमार्देन वामन जोशी (१९३६, किं १ रु ८ आणे
 ७.५४" x ४.७"; PP 2+2+39+5) प्रकाशक : वि.ग. भागवत आणि मंडुखी, बुंकरसे नसी
 पुणे-२.
- (49) द्वैत विचार माला पुष्प-२ - ~~चंद्र~~ चंद्र विचार : लेखक : ज्योतिषी के.
 हणमंतसा नेमासा काठवे (द्वितियावृत्ति १९५४; किं २ रु ६ आणे; ७.१५" x ४.८"
 PP 38) प्रकाशक : श्री हार्दामर मारुती बुमाके : नागपुर प्रकाशन,
 सितोवडी, नागपुर-१.
- (50) ~~लेखक~~ लेखक : ~~ह.ने. काठवे~~ ह.ने. काठवे (१९५४; किं २ रु ६ आणे; ७.१५" x ४.८"
 PP 38) प्रकाशक : श्री हार्दामर मारुती बुमाके : नागपुर प्रकाशन,
 सितोवडी, नागपुर-१.
- (51) ~~लेखक~~ लेखक : ~~ह.ने. काठवे~~ ह.ने. काठवे (१९५४; किं २ रु ६ आणे; ७.१५" x ४.८"
 PP 38) प्रकाशक : श्री हार्दामर मारुती बुमाके : नागपुर प्रकाशन,
 सितोवडी, नागपुर-१.
- (52) ~~लेखक~~ लेखक : ~~ह.ने. काठवे~~ ह.ने. काठवे (१९५४; किं २ रु ६ आणे; ७.१५" x ४.८"
 PP 38) प्रकाशक : श्री हार्दामर मारुती बुमाके : नागपुर प्रकाशन,
 सितोवडी, नागपुर-१.

पत्रात्मक पुस्तकाः

1. ऋग्वेदीय ब्रह्मकर्म समुच्चय :: संस्करणं. यणशीकरोपह्वेन
 वासुदेव शर्माणाः (षष्ठ संस्करणं शके १८९८ जून १९३६.
 प्रकाशक : श्री पांडुरंग जावजी : निर्णय सागर प्रेस, २६-२८
 कोलमाट स्ट्रीट, मुंबई : (रंग रंजित मंडलमि १०५ + पत्र २६
 प्रस्तावना + १२ विषयानुक्रम इत्यादि) + ४२१. ; १०.५" x ४.८"
 (प्रकरणाः ४. विषयाः ३८८)
 पंचमावृत्ति
2. वैष्णवीय ऋग्वेदी ब्रह्मकर्म (विषय संख्या २२५) द्वितियावृत्ति
 प्रकाशन : वर्ष अलभ्यं : महामहोपाध्याय गोपालाचार्य प्रणीताः
 संध्यादि प्रयोगः केयल हलार्थाचार्य वर्योणां केयलान्य पूज्य
 गुरुभ्यो गृहीताः १.५" x ५.१" : इदं पुस्तकं प्रतापीराव
 आवाजीराव साबन्त इत्यनेन स्वीये " श्रीराम तत्व प्रकाशाख्या"
 मुद्रणालये मुद्रयित्वा प्रकाशयं नीतम् : (शके १८८६, श्रीराम
 तत्व प्रकाशक मुद्रणालयादि पतिः, वेळगांव) पत्र ४ + १५४.
3. मंत्रमहोदधिः सटीका (सर्वलोकप्रसिद्धं मंडलं + यंत्राः २२८ पत्रांतरः +
 १२ पत्रांतराः विषयानुक्रममाजिका + २२३३) न श्री मन्महीधर
 विरचितम् : सेमराज श्रीकृष्णदास, श्री वेंकटेश्वर स्टीम प्रेस, बम्बई
 १.५" x ५.३" (स. २००९ शके १८७४

(47) द्वैत विचार माला क्र-११- योग विचार भाग १ ला :- लेखक व.ने. काठवे :

(1947; द्वितीयावृत्ति; किं १ रु ३ आणे; 7.1 1/2" x 4-8"; P430+2) प्रकाशक: हि.स. शुभाई

नागपुर प्रकाशन ~~सि~~ सिलावडी, नागपुर-१

(48) नष्ट जातक (स्वर्ग) माघेतरकार : जमातेन वामन जोशी (1936, किं १८८ आयुषी ७'४-५"; PP 2+2+39+5) प्रकाशक: वि.ग. सांगवत आणि मंडुखी, बुकसेलरी

पृष्ठ २.

(49) द्वैत विचार माता पुष्प-२ - चंद्र विचार : लेखक : ज्योतिषी क. वृणमं वसा नेमासा कावे (द्वितियावृत्ति १९.५४; किं २ रुद्र आपणे; ७.११" ४५.३५ १९.४४) प्रकाशक : श्री गंगांबर मारुती बुमाक : नागपूर प्रकाशन, सितारडी, नागपूर-१.

(5) స్వాధ్యక్షకావ్యము అనుసాధనకావ్యము (శ్రీ వృత్తిని పాఠ్యము చేయుదురు) అంశము
అంశములు మును:- చంద్రావళి వృత్తిని పాఠ్యము (పాఠ్యములు మును) మును, 1934; పాఠ్యము
మును 10-00: 8.4" x 5.4". (19 8+201+1) శ్రీ అంశము మును మును మును మును మును
మును.

(3) కీర్తన కాలా మృతావళి (మహాకవికాళిదాసవిరాచితం) అంధ్ర భాషా-అక్షరశాస్త్రము
చల్లా లక్ష్మీ ప్రసాదశాస్త్రి (రెండవతూర్పు; వెల.కూ. 30-0; 8-1" x 5-4", PP. 124 + 176;
Bound) చల్లా సుబ్బారామశాస్త్రి, గుమ్మపేట, మచిలీపట్నం నామ.

(52) కర్మ విఫలకారణము :- కర్మం నుండి ఎలాగైనా తప్పించుట అసాధ్యము.

पत्रात्मक पुस्तकाः

1. ऋग्वेदीय ब्रह्मकर्म समुच्चय :: संस्करणं. यणशीकशोपह्वन
वासुदेव शर्मणाः (पष्ठ संस्करणं) शके १८९८ जन १९३६.

प्रकाशक: ~~डॉ.~~ पांडुरंग जावजी; मिर्णय सागर प्रेस, 26-28

कोलमाट स्ट्रीट, मुंबई :- (इंग्लिश रजिस्टर संख्या १०३ + अप्रैल २६
प्रस्तावना + १२ विषयानुक्रम इत्यादि) + ४२१.३ (१०.५" x ५.४")
(प्रकरण ४ - विषय ३८८) पंचमावली

2. वैष्णवीय प्रणवेदी ब्रह्मकर्म (विषय संख्या २२५) ~~वृत्तियावृत्ती~~

प्रकाशन - वर्ष अलग्गै महामहोपाध्याय गोपालाचार्य प्रणीतः

संख्यादि प्रयोगः केचन ह्यकार्याचार्यवर्तीणां केचनान्यपूज्य

गोथली गृहीता: 9.4" x 5.1": इहं ~~उत्तम~~ पुरुषं ~~हस्ताजीराव~~

आबाजीराव साबन्त इत्यनेन स्वीय श्रीराम वर प्रकाशाख्या।

मुद्रणालये मुद्रयित्वा प्राकाश्यं नीतम्. ८ शक १८४६, श्रीराम

3. मंत्रमहोदधिः सटीका (सर्वलोभमन्त्रमंडलं च यन्त्राः २२८ पत्रांवरः + ३४०)

१२ पत्रांतराः विषयानुक्रमिका + २३३ + श्री मन्महीधर

विरचितम् : स्वामराज श्रीकृष्णदास, श्रीवेंकटेश्वर स्टीम प्रेस, बम्बई

9-5" x 4-3" (सं. 200९ शक १८७४)

4. हिरण्यकेशीय ब्रह्मकर्म : रंजी विनायक जामखेडकर यांची
 धापून प्रसिद्धकृत : १६ माहे सूर्यन सन १८८६ इसवी शके
 शके १८०८ व्यय नाम सं. १२ ~~ज्येष्ठ~~ ज्येष्ठ शु १५ बुधवार
 (आवृत्ती १ली) पत्र संख्या ३ + ~~३१३६~~ २१३६; १-६" x ५-२" मुंबई
 गोपाळ नारायण आणि कंपनी, यांचे धापखान्यांत धाविले
5. समंत्रक प्रयोग रत्ना : नारायण मठ ~~कृत~~ विरचितः (पत्र संख्या
 १ + १०५; १-६" x ५-३", गोपाळ नारायण जनताधिकार विनायक
 नारायण इत्यनेन मुंबई स्वयंत्रालये १८९२ तम ख्रिस्तब्दे
 तथा १८९४ तमे शके कित्वा प्रकाशितः (गोपाळ नारायण
 आणि कंपनी, बुकरसेलर्स, कालिकादेवी रोड, मुंबई)
6. शक्य ज्ञः शास्त्रीय कर्मकांड प्रदीप (१ पत्र ~~३~~ १ मंडलाखी +
 २ पत्र प्रस्तवना + १५ विषया मुद्रमाजिका इत्यादि + ४४८ ;
 वे. शा. सं. अण्णा शास्त्री वारे, नासीक, तथा वे. शा. सं.
 वासुदेव शास्त्री पणशीकर पेडणे, गोवा इत्येताभ्यां
 परिष्कृत्य संस्कृतः ; शके १८४३ सन १९२९ इसवी
 १०-५" x ५-४" ; मुम्बई पाण्डुरङ्ग जावजी खेहिमा स्वयं
 निर्णय सागराख्य मुद्रणालये रामचंद्र येसु रोडगेदरा २
 द्वयित्वा प्रकाश्यं नीतः (Marathi Sanshodhan Prasth, 23,
 Kalkher Lane, Bombay)
7. शान्तिसारः : दिनकर मठ कृतः, सं १९९०, शके १८५५.
 पत्र संख्या २ (अनुक्रमजिका) + १६६ (१३-०" x ५-३") स्वमराज
 श्री कृष्णदास, श्री बंकेश्वर स्त्री प्रेस, मुंबई.
8. उद्भक्त शांति : पणशीकर वासुदेव शर्मणा संस्कृतः ; पत्र
 संख्या १०; शके १८९० सन १९०३; १०-५" x ५-४" ; निर्णयसागर
9. श्री रुद्र : पत्र १०; शकाब्दः १८६५ सन १९४४, ८-६" x ५-१"
 निर्णयसागर
10. हरितालक व्रत पूजाकथा (२ भाषाटीकायुत) पं. ज्वाला प्रसाद
 सं. १९८२ श. १८४०: १-७" x ५-३" ; निर्णयसागर, मुंबई.

(46) हैव विचार माला - पुष्प १ वें - भाव विचार :- लेखक. ह. ने. काठवे (1949)
 किंमत रु ६ आणे. 7-1/2" x 4-9"; P-64) प्रकाशक : दि. मा. धुमाक, नागपूर
 प्रकाशन, सीताबर्डी, नागपूर :- 1

68 8.3" x 5.5" ಶ್ರ. ಲ: ಸ: ಪು: 16/25. ಬಿಟ್ಟು, ಮುಚ್ಚಿ, ಮುಚ್ಚಿ

(89) ज्योतिर्गणित सौमुद्रि :- श्रीरजनीकान्त शास्त्री (सं. 1997; श्र 1862, 1940; 8-4" x 5-4" Bound
PP 26+244) गं. वि. प्रे. हास्य:

[illegible]

- (135) ಪ್ರವಚನ ಮಹಾಪದ್ಯ :- ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ ಸಂಪಾದನೆ (1928; ವೆಲ ೮೦-೨-೪-೦; 8-7" x 5-5"; PP 270) ಹವ್ಯಕ ವಾಕ ಪದ್ಯ ಸಂಪಾದನೆ, ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ, ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ (ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ) (Bound) ೧೩೬ನಂ ಪುಟ (Bound)
- (136) ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ (ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ) ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ (ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ) 1946; ವೆಲ ೮೦-೧-೪-೦; 8-6" x 5-3" Bound; PP 8+236) ಶ್ರೀ. ಅ. ಮ. ಸಾ. ಮ.
- (137) ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ ಅನುಪದ್ಯ :- ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ (ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ) 1956; ವೆಲ ೮೦-೦-೩-೦; 8-7" x 5-5"; PP 16) ಪ. ಮ. ಸಾ. ಮ. ಶ್ರೀ. ಅ. ಮ. ಸಾ. ಮ.
- (138) ಮುಮುಕ್ಷು ಭಾಷಣ, ಮುಮುಕ್ಷು ಭಾಷಣ (1881; 8-4" x 5-3"; PP 2+4+ 1463; Bound) ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ ಸಂಪಾದನೆ: ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ 323, ಅನುಪದ್ಯ ಸಂಪಾದನೆ ಮುಮುಕ್ಷು ಭಾಷಣ, ಅನುಪದ್ಯ ಸಂಪಾದನೆ ಮುಮುಕ್ಷು ಭಾಷಣ ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ.
- (139) ಕುಣಿ ಸಂಪಾದನೆ (ರಾಮೇಶ್ವರ ಮಠ) ರಚಿತ ಮುಖ್ಯ ವಿಷಯ (ಸಂ. 2000. ಪ. 9462; 8-2" x 5-4"; PP 204; Bound) ಗಂಗಾ ವಿಷಯ (1, 2, 3, 4 ಭಾಗಗಳು)
- (140) ಯಾಜುರ್ ವೇದ ಸಂಪಾದನೆ ಮುಮುಕ್ಷು ಭಾಷಣ (ಯಾಜುರ್ ವೇದ ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ) (ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ) 1929; ವೆಲ ೮೦-೪-೦-೦; 8-4" x 5-4"; PP 8+8+160+2+344+567 Bound): ಶ್ರೀ. ಅ. ಮ. ಸಾ. ಮ.
- (141) ಮುತಮುಕ್ಷು ಪ್ರವಚನ ಪದ್ಯ (ಗಣೇಶ ವಿಪ್ರಕವಿನಾಚ ಸಂಪಾದಿತ) (ಸಂ 1900, ಪ. 9434; 9-7" x 6-5"; PP 4+2+2+144; ಕಾಲಶಾಸ್ತ್ರಾಪನ ಪದ್ಯ (ಪಂ. ಹೊತಯ್ಯ ಶಾಸ್ತ್ರೀ ಸಂಪಾದಿತ) PP 2+64) ಗಂಗಾ ವಿಷಯ (Bound)
- (142) ಶ್ರೀತತ್ವ ನಿಧಿ (ಮುಮ್ಮಡಿ ಕುಲಾರಣ್ಯ ಔದ್ಯತ ಪ್ರಮುಖ್ಯ ವಿಷಯ) (ಸಂ 1946; ಪ. 9423; 10-1" x 6-7"; PP 4+12+44+446) Bound) ಸೇರಾಣಿ ಶ್ರೀಕೃಷ್ಣಾಚಾರ್ಯ
- (143) ಹವ್ಯಕ ವಾಕ ಪದ್ಯ ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ :- ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ (ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ) 1935; ವೆಲ ೮೦-೦-೪-೦; 8-4" x 5-4"; PP 47+11) ಶ್ರೀ. ಅ. ಮ. ಸಾ. ಮ.
- (144) ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ (1909; ವೆಲ ೮೦-೦-೨-೦; 8-2" x 5-3"; PP 40; Bound) ಪ. ಮ. ಸಾ. ಮ. ಸಂಪಾದನೆ, ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ ಸಂಪಾದನೆ, ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ ಸಂಪಾದನೆ
- (145) ಬೃಹದ್ ರಾಮಮಾಲಾ - ಮಾರ್ಗ ಸ್ವರೂಪ (ಸಂ. 2096 ವಿ. 3) ಮುಖ್ಯ ವಿಷಯ 0-4-0; 7-1" x 4-6"; PP 32) ಪ್ರಕಾಶಕ: ಪಂ. ತ್ರಿಭುವನ ನಾಥ ಮಾರ್ಗ, ಮಾರ್ಗ ಪುಸ್ತಕಾಲಯ, ಗಾಯತ್ರಿ: ವಾರಾಣಸಿ-೧.
- (146) ಶ್ರೀವಿಷಯ (ಶ್ರೀವಿಷಯ ಶಾಸ್ತ್ರೀ ಸಂಪಾದಿತ) (ಸಂ 2090; ಪ. 9464; 11-3" x 8-3"; PP 6+6+8+826; Bound) ಗಂಗಾ ವಿಷಯ
- (147) ಹವ್ಯಕ ವಾಕ ಪದ್ಯ ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ :- ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ (ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ) 1939; ವೆಲ ೮೦-೦-೪-೦; Bound 8-3" x 5-5"; PP 2+52) ಶ್ರೀ. ಅ. ಮ. ಸಾ. ಮ.
- (148) ಯಾಜುರ್ ವೇದ ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ :- ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ (ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ) 1940; ವೆಲ ೮೦-೦-೪-೦; Bound 8-3" x 5-5"; PP 4+8+68) : ಶ್ರೀ. ಅ. ಮ. ಸಾ. ಮ.
- (149) ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ (1892; ವೆಲ ೮೦-೦-೪-೦; 8-1" x 5-4"; PP 2+26) ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ, ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ, ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ, ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ, ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ, ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ
- (150) ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ :- ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ (ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ) 1939; ವೆಲ ೮೦-೦-೪-೦; 8-4" x 5-5"; PP 28) ಶ್ರೀ. ಅ. ಮ. ಸಾ. ಮ.
- (151) ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ (ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ) ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ (1888; 8-4" x 5-3" PP 2+62) Bound) ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ, ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ, ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ, ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ, ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ, ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ
- (152) ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ :- ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ (ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ) 1951; ವೆಲ 1-೦-೦-೪-೦; 8-2" x 5-4"; PP 4+96) ಶ್ರೀ. ಅ. ಮ. ಸಾ. ಮ.
- (153) ಯಾಜುರ್ ವೇದ ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ :- ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ (ಪುಣ್ಯಲ ವಾಕ ಪದ್ಯ) 1915; ವೆಲ 1-೦-೦-೪-೦; 8-5" x 5-3"; PP 2+8+376+8) ಶ್ರೀ. ಅ. ಮ. ಸಾ. ಮ.
- (154) ಶ್ರೀಸಮಯ ಸಂಪಾದನೆ 32- ಸುಮನಸ್ಯ ವಿಷಯ ಶಾಸ್ತ್ರ : ಲೇಖಕ: ಕುಣಿ ಸಂಪಾದನೆ ಸೋಮಣಿ (ಪ್ರವಚನ ಪದ್ಯ 1943; ಮುಖ್ಯ ವಿಷಯ 2-8-0; 8-5" x 5-5"; Bound PP 20+448)
- 15 ಕೆ. ಶಾ. ಮ. ಸಾ. ಮ.

श्री महागावत माहात्म्य (पत्रात्मक) पत्र संख्या २१.

15.31" x 8.5" ; प्रकाशक : आत्माराम कांढोबा भिरुयेन

गणपत कृष्णाजी मुद्रायंत्रालयाधि कारिजा, स्नीय यंत्रालये
मुद्रितं ; नवमं नवमावृत्ति, गणाश्वस्व जामिते

१८०८ शकाब्दे माघ कृष्ण त्रयोदश्याम् पूर्णतामु मगात्

श्री महागावत प्रथम स्कंध ८० पत्राणि ११ श्री महागावत

महा पुराण द्वितीय स्कंध ४४ प. १० अ

॥ तृ. स्कंध १२६+१ प. ३३ अ

॥ च. स्कंध ११६+१ प. ३१ अ.

॥ पं. स्कंध. ८५+१ प. २६ अ.

॥ व. स्कंध ६९ ११३ अ.

॥ स. स्कंध ६६+१ प. १५ अ.

॥ अ. स्कंध ७० प. २४ अ.

॥ न. स्कंध ६३+१ प. २४ अ.

॥ द. स्कंध १६५ प. ४९ अ

॥ द. स्कंध १५६+१ प. ३० अ

॥ इ. स्कंध १३४ प. ३१ अ.

॥ क. स्कंध ४५+१ प. १३ अ

मावार्ण द्वीपिका
श्रीधर स्वामि विरचित टीका